



सोमवार

5 फरवरी 2024, घनबाद

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

• पांच प्रदेश • 21 संकरण

थुमन गिल ने
11 महीने बाद
टेस्ट मैच में
शतक जड़ा।



पे PhonePe Business

जब PhonePe का हो साथ, तब बिज़नेस चले फर्स्ट क्लास।

आसान। भरोसेमंद। सुरक्षित।



आज ही
फ्री QR कोड ऑर्डर करें!

आपके स्टोर पर 7 दिनों के
अंदर फ्री डिलीवरी*

PhonePe
स्मार्ट स्पीकर पाएँ

जीरो रेंटल प्लान। बस ₹1299+
GST^ का वन-टाइम सेटअप फी पे करें

PhonePe POS
डिवाइस पाएँ

बस ₹6499+GST^^ का
वन-टाइम सेट-अप फी पे करें



PhonePe Business ऐप
डाउनलोड करें

Download on the
App Store

GET IT ON
Google Play



सभी ट्रेडमार्क अपने संबंधित मालिकों की संपत्ति हैं। *कृपया PhonePe Business ऐप पर विस्तृत ऑफर नियम और शर्तों का रिव्यू करें। ^वन-टाइम सेट-अप फी 18 महीने के लिए लागू है। अतिरिक्त VAS शुल्क लागू कृपया PhonePe Business ऐप पर विस्तृत ऑफर नियम और शर्तों का रिव्यू करें। ^^वन-टाइम सेट-अप फी 36 महीनों के लिए लागू है। अतिरिक्त मासिक डेटा शुल्क ₹49+ GST लागू है। ऑफर केवल चुनिदा शहरों में उपलब्ध है। कृपया PhonePe Business ऐप पर विस्तृत ऑफर नियम और शर्तों का रिव्यू करें।



सभी डिजिटल पेमेंट के लिए आपका भरोसेमंद पार्टनर

PhonePe पर UPI का अनुभव लें



अपने पहले UPI ट्रांजैक्शन पर
फ्लैट ₹50 का कैशबैंक पाएँ*

PhonePe वॉलेट खोलें



पूरे KYC वॉलेट का
अधिकतम सीमा ₹2,00,000/- है*

खरीदें FASTag



फ्री डिलीवरी, तुरंत एक्टिवेशन^
₹25 से ₹250 का कैशबैंक पाएँ*

PhonePe पर अपना RuPay क्रेडिट कार्ड लिंक करें



ट्रांजैक्शन करें और रिवाइंस पाएँ
₹25 से ₹250 का कैशबैंक पाएँ*



PhonePe डाउनलोड करें



अधिकार जानें



झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग

अधिकार मांगे

जन वितरण प्रणाली (पी.डी.एस.), पी.एम. पोषण (मध्याह्न भोजन), प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पी.एम.वी.वाई.)
आंगनबाड़ी केंद्र (आई.सी.डी.एस.) और कुपोषण उपचार केंद्र (एम.टी.सी.), से संबंधित शिकायत

बॉट्सप्प नंबर : 9142622194 पर भेजें

चांदसिफारिश जो करता हमारी, देता वो तुमको बता... पर झूमेलोग

स्टार नाइट

धनबाद। आईआईटी आईएसएम में चल रहे सूजन के समापन पर रविवार को स्टार नाइट हुआ। बॉलीवुड सिंगर शान ने गानों पर छात्रों को थिरकने पर मजबूर कर दिया। शान ने अपने हिट गाने चांद सिफारिश जो करता हमारी गाकर लोगों को झूमाया। वहीं



आईआईटी के जिमखाना गाँड़ में रविवार को आयोजित कार्यक्रम में शान ने अपने हिट सांग से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया। ये लड़की वर्ष्ये ने जाने वर्ष्ये गाने पर भी लोग थिरके। इस दौरान लोगों ने जमकर तालियां बजाई। ● एजेंसी



फिल्म थी बैंडियन का गाना बहती हवा से था वो भी शान ने गाया। कार्यक्रम को देखने के लिए कॉलेज के प्रोफेसर के साथ-साथ छात्र-छात्राओं की भारी भीड़ उमड़ी।

आईआईटी आईएसएम के मिलन समारोह बसंत में देशभर से पहुंचे पूर्ववर्ती छात्र

कोल इंडिया के वेयरमैन को भाष्कर भट्टाचार्या भेजोरियल सम्मान मिला



धनबाद, प्रमुख संचादता। आईआईटी आईएसएम में रविवार को वार्षिक एलमिनी मीट बसंत का आयोजन किया गया।

देश के कोने-कोने से पहुंचे पूर्ववर्ती छात्रों को अलग-अलग सम्मान देकर सम्मानित किया गया। समारोह में रविवार को पूर्व छात्र सहित सात लोगों को सम्मानित किया गया। आईआईटी आईएसएम परिसर के पेनमैन ऑफिटोरियम में बसंत-2024 का आयोजन किया गया।

वार्षिक एलमिनी मीट में कोल इंडिया के वेयरमैन को सम्मान देते अधिकारी व अन्य। सामने संस्थान के शताब्दी भवन के लिए भूमि पूजन भी हुआ। मार्गिंग अरुण कुमार को बसंत-पुरस्कार दिया। टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब टेक्समीन में कोल को लॉन्च किया गया। एलमिनी मीट में चंडीगढ़ के विरुद्ध ठोस शुरुआती को अलग-अलग सम्मान देते अधिकारी व अन्य। इंजीनियरिंग के सेवानिवृत्त प्रोफेसर जेके

शिखर और सत्य की पारी से झारखण्ड की मजबूत शुरुआत

धनबाद, प्रमुख संचादता। शिखर मोहन और सत्य सेतु की शानदार अर्धशतकीय पारी की मदद से झारखण्ड अंडे-23 टीम ने कर्नल सीके नायडू ड्रॉफ्ट में चंडीगढ़ के विरुद्ध ठोस शुरुआती की है।

- टाटाडिगवाड़ीह स्ट्रेडियम में सीके नायडू अंडे-23 क्रिकेट टूर्नामेंट
- शिखर मोहन 184 रन और सत्य सेतु 138 रन बनाकर खेल रहे हैं।

बावा का शिकार बन गए। उस समय बोडी पर 29 रन टोंगे थे। इसके बाद दूसरे ओपनर शिखर मोहन और सत्य सेतु ने दिनभर चंडीगढ़ के गेंदबाजों को विकेट के लिए तरसा दिया। शिखर मोहन अभी अपने दोहरे शतक से 16 रन दूर हैं। उन्होंने अपनी पारी में अबतक 28 चौके लगाए। वहीं सत्य सेतु भी अपनी शतकीय पारी में 14 चौके व तीन छक्के जड़ चुके हैं। दोनों के बीच अबतक 307 रनों की साझेदारी हो चुकी है।

शताब्दी बिल्डिंग के लिए भूमि पूजन



धनबाद। 2026 में आईएसएम की स्थापना के 100 वर्ष पूरे हो रहे हैं। शताब्दी वर्ष सेवुरी बिल्डिंग के निर्माण के लिए रिवार को भूमि पूजन हुआ। नियरेक प्रोफेसर जेके पटनायक के नेतृत्व में बड़ी संख्या में वृद्ध छात्र परिसर में एकत्र हुए। इस दिन आईआईटी (आईएसएम) के मानिंग टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब के बिल्डिंग निर्माण को भूमि पूजन करते। तीन केंद्रों का भी उद्घाटन हुआ। वेररमैन पीएम प्रसाद की उपरित्थि में उत्कृष्टा केंद्र और टैक्सिमैन-कार्लसन लैब का उद्घाटन किया गया।

व्याय यात्रा की सफलता के लिए सुंदर कांड पाठ

धनबाद। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की नाय यात्रा की सफलता के लिए कांग्रेस नेता अशोक सिंह के नेतृत्व में सुंदर कांड पर के पाठ का आयोजन किया गया। रणीर वर्मा वीक्षक स्थित हुनरमैन मंडिर में रविवार की विधि-विदान के साथ सुंदरकांड पाठ की शुरुआत हुई। न्यायालय के साथ अशोक सिंह वार फरवरी की रात के विश्राम स्थल रामगढ़ तक गए। रथ्यात्र में अनिल साव, दिलीप मिश्र, शशीक असारी, राहुल राज, टिकू असारी आदि थे।

भूमिकोड मंदिर में शत्रुपूजन के साथ महाआरती

धनबाद। हिन्दू पूजा सिंका संस्थान सम्मेलन के आखिरी दिन भूमिकोड मंदिर में अस-श-स्स से गुरुदेव की पूजा हुई। रविवार को अनुदान की शुरुआत प्राप्त: चार बजे मंत्री आरामी के साथ हुई। इसके बाद सुबह 140 रुपये की उपरित्थि विधि-विदान के साथ सुंदरकांड पाठ की शुरुआत हुई। न्यायालय के साथ अशोक सिंह वार फरवरी की रात के विश्राम स्थल रामगढ़ तक गए। रथ्यात्र में अनिल साव, दिलीप मिश्र, शशीक असारी, राहुल राज, टिकू असारी आदि थे।

संसद ने जनता को गुमराह किया: जगदीश

धनबाद। पुराना बाजार के टेप्ल रड स्थित पार्टी कार्यालय में रविवार को मासमं जिला कम्बली की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता मासस के जिलाध्यक्ष विदा पासवान और संचालन दिवीप महतों ने किया। बैठक में पार्टी के लोकसभा प्रत्यार्थी जगदीश वर्मा ने सांसद पीएन सिंह पर निशाना सातों हुए उत्पर माहमाद, सुशांत चट्टी, सुभाष सिंह, रुस्तम असारी आदि थे।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सौंपा मांग-पत्र

धनबाद। पुराना बाजार के टेप्ल रड स्थित पार्टी कार्यालय में रविवार को मासमं जिला कम्बली की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता मासस के जिलाध्यक्ष विदा पासवान और संचालन दिवीप महतों ने किया। बैठक में पार्टी के लोकसभा प्रत्यार्थी जगदीश वर्मा ने सांसद पीएन सिंह पर निशाना सातों हुए उत्पर माहमाद, सुशांत चट्टी, सुभाष सिंह, रुस्तम असारी आदि थे।

एलमिनी मीट

धनबाद, प्रमुख संचादता।

आईआईटी आईएसएम में रविवार को वार्षिक एलमिनी मीट बसंत का आयोजन किया गया।

देश के कोने-कोने से पहुंचे पूर्ववर्ती

छात्रों को अलग-अलग सम्मान देकर सम्मानित किया गया। समारोह में

रविवार को पूर्व छात्र सहित सात लोगों को सम्मानित किया गया। आईआईटी आईएसएम परिसर के पेनमैन

ऑफिटोरियम में बसंत-2024 का आयोजन किया गया।

देश के कोने-कोने से पहुंचे पूर्ववर्ती

छात्रों को अलग-अलग सम्मान देकर सम्मानित किया गया। समारोह में

रविवार को पूर्व छात्र सहित सात लोगों को सम्मानित किया गया। आईआईटी आईएसएम परिसर के पेनमैन

ऑफिटोरियम में बसंत-2024 का आयोजन किया गया।

देश के कोने-कोने से पहुंचे पूर्ववर्ती

छात्रों को अलग-अलग सम्मान देकर सम्मानित किया गया। समारोह में

रविवार को पूर्व छात्र सहित सात लोगों को सम्मानित किया गया। आईआईटी आईएसएम परिसर के पेनमैन

ऑफिटोरियम में बसंत-2024 का आयोजन किया गया।

देश के कोने-कोने से पहुंचे पूर्ववर्ती

छात्रों को अलग-अलग सम्मान देकर सम्मानित किया गया। समारोह में

रविवार को पूर्व छात्र सहित सात लोगों को सम्मानित किया गया। आईआईटी आईएसएम परिसर के पेनमैन

ऑफिटोरियम में बसंत-2024 का आयोजन किया गया।

देश के कोने-कोने से पहुंचे पूर्ववर्ती

छात्रों को अलग-अलग सम्मान देकर सम्मानित किया गया। समारोह में

रविवार को पूर्व छात्र सहित सात लोगों को सम्मानित किया गया। आईआईटी आईएसएम परिसर के पेनमैन

ऑफिटोरियम में बसंत-2024 का आयोजन किया गया।

देश के कोने-कोने से पहुंचे पूर्ववर्ती

छात्रों को अलग-अलग सम्मान देकर सम्मानित किया गया। समारोह में

रविवार को पूर्व छात्र सहित सात लोगों को सम्मानित किया गया। आईआईटी आईएसएम परिसर के पेनमैन

ऑफिटोरियम में बसंत-2024 का आयोजन किया गया।

देश के कोने-कोने से पहुंचे पूर्ववर्ती

छात्रों को अलग-अलग सम्मान देकर सम्मानित किया गया। समारोह में

रविवार को पूर्व छात्र सहित सात लोगों को सम्मानित किया गया। आईआईटी आईएसएम परिसर के पेनमैन

ऑफिटोरियम में बसं

सिमट्टा चांद

दूनिया में अंतरिक्ष विज्ञान के सर्वोच्च अमेरिकी संस्थान नासा के वैज्ञानिक चिंतित हैं कि चांद सिकुड़ रहा है और इससे आने वाले चंद्र अभियानों में पेशानी आ सकती है। दखिणी एसएस जर्जल में प्रकाशित एक शोध पत्र में शोधकर्ताओं ने बताया है कि चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में सिकुड़ तेजे चंद्रमा के प्रभावों का अनुभव किया है। हालांकि, वैज्ञानिक इस बात को विगत दशक से जानते हैं कि चांद सिमट रहा है। साल 2019 में ही नासा ने बता दिया था कि आंतरिक शीतलन की वजह से पिछले लाखों वर्षों में चंद्रमा लगभग 150 फीट जगह खो चुका है। नासा ने फिर बताया है कि चंद्रमा, पृथ्वी की तरह ही भूकंपों (जिन्हें मूनवक्र के रूप में जाना जाता है) और दोषों का अनुभव करता है, जिनके इसका आंतरिक भाग धीरे-धीरे ठंडा होते हुए सिकुड़ता जा रहा है। चांद के उस दक्षिणी ध्रुव पर सिकुड़न को महसूस किया गया है, जिसके प्रति वैज्ञानिकों में सर्वाधिक आकर्षण है।

चंद्रमा पर स्थाई केंद्र या चौकियों के स्थान और वहां स्थिरता की योजना बनाते समय समस्या आ रही है। चंद्रमा के संकुचन से वैज्ञानिकों को सुनिश्चित आकलन में दिक्कत आ रही है। चांद पर इसने के उत्तर हुए प्रचास साल से भी ज्यादा समय बीत चुका है और नासा अपने आंतरिक अभियान के तहत चांद पर फिर इसानों को भेजने की योजना पर काम कर रहा है। बांद इसानों को इस बार चांद के ऐसे क्षेत्र में उतारने की योजना पर काम कर रहा है, जहां उपर्योगी शोध की ज्यादा गुंजाई है और ठीक ऐसी ही संभावित जगह इसके संकुचन की वजह समस्या चिंता बढ़ा रही है। संभव है कि संकुचन के प्रति चिंता की वजह से चांद पर इसानों को उतारने की योजना में कुछ देरी हो। गैरलबल है कि 20 जुलाई 1969 को पहली बार इसान चांद पर पहुंचा था और दिसंबर 1972 तक करीब 12 अंतरिक्ष यात्री चांद पर कहम रख चुके थे। अब अमेरिकी योजना के अनुसार, सितंबर 2025 के बाद ही मानव मिशन चांद की ओर रवाना होगा। अन्य सभी देशों को नासा के चंद्र मानव अभियान का इंतजार है। यहां लगे हाथ अगर भारत की बात करें, तो प्रधानमंत्री ननेंग मोदी ने साल 2035 तक अंतरिक्ष केंद्र या स्पेस स्टेशन स्थापित करने और 2040 तक चांद पर किसी भारतीय को उतारने का लक्ष्य तय किया है।

बहलाल, सावल चांद के संकुचन का है, वैज्ञानिकों को इसका विस्तृत अध्ययन करना चाहिए और भावी चंद्र अभियानों में देखी के लिए इसका इस्तेमाल किसी बहाने के रूप में नहीं करना चाहिए। चांद का संकुचन बड़ी समस्या नहीं बननी चाहिए और वैज्ञानिकों को दक्षिणी ध्रुव में हो रहे किसी भी परिवर्तन के प्रति सज्ज रहना चाहिए। वैज्ञानिकों को यह लगता है कि चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के गड़ीयों में पानी हो सकता है, जो भविष्य के अभियानों में सहायता कर सकता है। ध्यान रहे, भारत पिछले साल इसी ध्रुवीय में चंद्रमा के पास अंतरिक्ष यात्रा कर सकता है। चांद पर काम करना चाहिए और उस यात्रा का भी एक सिद्धांत है, जिससे पृथ्वी पर भूकंपों और ज्वालामुखी की आशंका बढ़ रही है। वैसे शायद ही कोई ऐसा ग्रह है, जो परिवर्तनों से बचा हुआ है, तो इस परिवर्तनों को समझने और उसके अनुरूप चलने के लिए तैयार रहना चाहिए।

हिन्दुस्तान | 75 साल पहले

31 जनवरी, 1949

गांधी स्मारक बनाने की योजना

न्यूयार्क, 30 जनवरी। महात्मा गांधी की स्मृति में वाशिंगटन और न्यूयार्क शहर में स्मारक बनाने की योजना तोड़ी से तैयार की जा रही है। यह घोषणा अमेरिका में भारतीय लीग के जरिस्टर करने के लिए प्रार्थना की है। महात्मा गांधी स्मारक स्थापना सभा के अधिकारियों और डायेक्टरों के बीच अंतरिक्ष यात्रा की विश्वास किया गया है। यह सभा न्यूयार्क के एक स्थानों में विश्वास किया है। इस व्यापक बनाने के अंतरिक्ष समाज की देखरेख और निरीक्षण में न्यूयार्क और वाशिंगटन में स्मारक बनाने जारी।

इस इच्छा को ध्यान में रखने हुए अमेरिकी की भारतीय लीग ने महात्मा गांधी स्मारक स्थापना सभा के अधिकारियों से मिल चुकी है। आपने कहा कि पार्क विभाग के कैम्पिनर में एसएस नामांकन के लिए प्रार्थना की है कि न्यूयार्क में ऐसा स्मारक बनाने की योजना में उनकी पूरी सहायता मिल जाए।

अधिकारियों से जाह की मार्ग : श्री सिंह ने कहा कि लीग स्मारक को बनाने के लिए न्यूयार्क के अधिकारियों से मिल चुकी है। आपने कहा कि पार्क विभाग के कैम्पिनर में एसएस नामांकन के लिए एक बिल पेश किया था।

प्रस्ताव के बारे में वह भी कहा कि अमरीकी की भारतीय लीग या इस उद्देश्य के लिए संगठित किसी दूसरी संस्था को यह अधिकार दिया जाना कि वह इस कानून के पास होने के दो वर्ष के अन्दर महात्मा गांधी की एक स्मारक वाशिंगटन शहर में तैयार कर ले। श्री सिंह ने कहा कि हमें आशा है कि इस प्रस्ताव की सुनवाई शीघ्र ही होगी। हमें यह भी आशा है कि वह प्रस्ताव बिना विलम्ब पास हो जायेगा। इस सभा में महान भारतीय नेता के प्रति अपने वक्ताओं ने अद्वितीय अपीत की।

वाशिंगटन में स्मारक बनाने के संबंध में जिक्र करते हुए श्री सिंह ने कहा कि चेमोक्रेट श्री सेल ने गत वर्ष जनवरी में अमेरिकी कांग्रेस में प्रस्तावित स्मारक के लिए एक बिल पेश किया था। प्रस्ताव के बारे में वह भी कहा कि अमरीकी की भारतीय लीग या इस उद्देश्य के लिए संगठित किसी दूसरी संस्था को यह अधिकार दिया जाना कि वह इस कानून के पास होने के दो वर्ष के अन्दर महात्मा गांधी की एक स्मारक वाशिंगटन शहर में तैयार कर ले। श्री सिंह ने कहा कि हमें आशा है कि इस प्रस्ताव की सुनवाई शीघ्र ही होगी। हमें यह भी आशा है कि वह प्रस्ताव बिना विलम्ब पास हो जायेगा। इस सभा में महान भारतीय नेता के प्रति अपने वक्ताओं ने अद्वितीय अपीत की।

अधिकारियों से जाह की मार्ग : श्री सिंह ने कहा कि लीग स्मारक को बनाने के लिए न्यूयार्क के अधिकारियों से मिल चुकी है। आपने कहा कि पार्क विभाग के कैम्पिनर में एसएस नामांकन के लिए एक बिल पेश किया था।

प्रस्ताव के बारे में वह भी कहा कि अमरीकी की भारतीय लीग या इस उद्देश्य के लिए संगठित किसी दूसरी संस्था को यह अधिकार दिया जाना कि वह इस कानून के पास होने के दो वर्ष के अन्दर महात्मा गांधी की एक स्मारक वाशिंगटन शहर में तैयार कर ले। श्री सिंह ने कहा कि हमें आशा है कि इस प्रस्ताव की सुनवाई शीघ्र ही होगी। हमें यह भी आशा है कि वह प्रस्ताव बिना विलम्ब पास हो जायेगा। इस सभा में महान भारतीय नेता के प्रति अपने वक्ताओं ने अद्वितीय अपीत की।

अधिकारियों से जाह की मार्ग : श्री सिंह ने कहा कि लीग स्मारक को बनाने के लिए न्यूयार्क के अधिकारियों से मिल चुकी है। आपने कहा कि पार्क विभाग के कैम्पिनर में एसएस नामांकन के लिए एक बिल पेश किया था।

प्रस्ताव के बारे में वह भी कहा कि अमरीकी की भारतीय लीग या इस उद्देश्य के लिए संगठित किसी दूसरी संस्था को यह अधिकार दिया जाना कि वह इस कानून के पास होने के दो वर्ष के अन्दर महात्मा गांधी की एक स्मारक वाशिंगटन शहर में तैयार कर ले। श्री सिंह ने कहा कि हमें आशा है कि इस प्रस्ताव की सुनवाई शीघ्र ही होगी। हमें यह भी आशा है कि वह प्रस्ताव बिना विलम्ब पास हो जायेगा। इस सभा में महान भारतीय नेता के प्रति अपने वक्ताओं ने अद्वितीय अपीत की।

अधिकारियों से जाह की मार्ग : श्री सिंह ने कहा कि लीग स्मारक को बनाने के लिए न्यूयार्क के अधिकारियों से मिल चुकी है। आपने कहा कि पार्क विभाग के कैम्पिनर में एसएस नामांकन के लिए एक बिल पेश किया था।

प्रस्ताव के बारे में वह भी कहा कि अमरीकी की भारतीय लीग या इस उद्देश्य के लिए संगठित किसी दूसरी संस्था को यह अधिकार दिया जाना कि वह इस कानून के पास होने के दो वर्ष के अन्दर महात्मा गांधी की एक स्मारक वाशिंगटन शहर में तैयार कर ले। श्री सिंह ने कहा कि हमें आशा है कि इस प्रस्ताव की सुनवाई शीघ्र ही होगी। हमें यह भी आशा है कि वह प्रस्ताव बिना विलम्ब पास हो जायेगा। इस सभा में महान भारतीय नेता के प्रति अपने वक्ताओं ने अद्वितीय अपीत की।

अधिकारियों से जाह की मार्ग : श्री सिंह ने कहा कि लीग स्मारक को बनाने के लिए न्यूयार्क के अधिकारियों से मिल चुकी है। आपने कहा कि पार्क विभाग के कैम्पिनर में एसएस नामांकन के लिए एक बिल पेश किया था।

प्रस्ताव के बारे में वह भी कहा कि अमरीकी की भारतीय लीग या इस उद्देश्य के लिए संगठित किसी दूसरी संस्था को यह अधिकार दिया जाना कि वह इस कानून के पास होने के दो वर्ष के अन्दर महात्मा गांधी की एक स्मारक वाशिंगटन शहर में तैयार कर ले। श्री सिंह ने कहा कि हमें आशा है कि इस प्रस्ताव की सुनवाई शीघ्र ही होगी। हमें यह भी आशा है कि वह प्रस्ताव बिना विलम्ब पास हो जायेगा। इस सभा में महान भारतीय नेता के प्रति अपने वक्ताओं ने अद्वितीय अपीत की।

अधिकारियों से जाह की मार्ग : श्री सिंह ने कहा कि लीग स्मारक को बनाने के लिए न्यूयार्क के अधिकारियों से मिल चुकी है। आपने कहा कि पार्क विभाग के कैम्पिनर में एसएस नामांकन के लिए एक बिल पेश किया था।

प्रस्ताव के बारे में वह भी कहा कि अमरीकी की भारतीय लीग या इस उद्देश्य के लिए संगठित किसी दूसरी संस्था को यह अधिकार दिया जाना कि वह इस कानून के पास होने के दो वर्ष के अन्दर महात्मा गांधी की एक स्मारक वाशिंगटन शहर

छोटी कोशिशें, बड़ा महत्व

उम्मीद एक ऐसे रास्ते की तरह होती है, जो तब तक दिखाई नहीं देता, जब तक आप उस पर चलना शुरू नहीं करते हैं। आपकी कोशिशों की शक्ति ही यही है कि आप एक के बाद एक कदम आगे बढ़ाते चले जाते हैं। सफलता हमारी की गई छोटी-छोटी कोशिशों का जोड़ है।

खूबसूरत जिंदगी



क्रिस विल्सन

"प्रतिबद्धता एक लंबी दौड़ नहीं बल्कि एक के बाद बहुत सारी छोटी-छोटी दौड़ों का समूह है"

- वाल्ट इलियट

मैं

अपने आगे बढ़ने की गति से अकसर असंतुष्ट होता हूं, क्योंकि अपने जीवन को आगे बढ़ाते देखना कभी-कभी पेंट के सूखने का इंतजार करने जैसा लगता है।

हमारे जीवन में अकसर ऐसे क्षण आते हैं, जब हमें सब कुछ बहुआसानी से होता है। ऐसे मौकों पर मैं अपनी दोयुगी तकत का इस्रामाल करते हुए, हर संघर प्रयास करता हूं, लेकिन कभी कभी मेरे दिमाग, शरीर और आत्मा को दुरी तरह निचोड़ देते हैं।

लेकिन, किसी चीज का इंतजार करना विकसित और उन्नत दुनिया की मस्सा लगती



है। ये कुछ ऐसा है मानो हैलोइन पार्टी में जाने के लिए काढ़े समय पर ना आ पाने के खबाल से ही लोगों की अंखों में अंसुआ जाएं। मानो उनके लिए वह सबसे गंभीर समस्या है।

फिर उस किताब का क्या, जो आप चाहते हैं कि खुद ब खुद लिखकर पूरा हो जाए?

वजन नापने की मस्ती

का क्या, जो आपको आपके मनचाहे वजन से ज्यादा दिखा रही है?

आपके कैंक के उस खते का क्या, जो आपके क्रेडिट कार्ड के बिल जितना बड़ा नहीं है?

ये वो चीजें ही हैं, जिनके लिए हम इंतजार करना चाहते हैं, क्योंकि हम तो फूल को बिना निचोड़ ही उसके रस का अनेक लेने की इच्छा रखते हैं। रथअसल, नरीजों की प्रीतिका करने का धैर्य हमारे भीतर बचा ही नहीं है, इसलिए धीमी गति से चलना हमें उन्तत में बाधक लगता है। हमें इस बात को घोंस़ कर पिला दिया जाता है कि अल्ट्राथिक और लगतार महनत का जब्ता होना परम आवश्यक है। लेकिन इस सारे दबाव का नीचा ज़ालियाट, असहनलाल, क्रोध और आत्मलान के रूप में सामने आता है। ऐसे में महसूस होता है कि हमें प्रयास नाकामी है और हमें अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है।

लेकिन जीवन के प्रति यह नजरिया बेहद डरावाना है। खासतौर पर जब आपकी अंतिम सांस के साथ ही यह ज़ेरोहैट समाप्त होनी होती है। आपके बारे में तो नहीं पाता लेकिन मैं जल्दबाजी में नहीं हूं।

अब मुझे उस समय के बारे सोचना भी अच्छा नहीं लगता, जब मैं एक किताब लिखना चाहता था, वजन कम करना चाहता था और गरीब होने के अहसास को खत्म कर देना



बनाएं अपना रास्ता

जितना ज्यादा हम अपने प्रयासों में नियमित बढ़ते हैं, उतना हमारे भीतर अपने सपने पूरे करने का भरोसा पैदा होता है। आइए खुद से कुछ सवाल पूछते हैं—यदि सब कुछ इतना कठिन नहीं हो तो आप जीवन में यह बदलना पसंद करते? यह आप उस एक बदलाव के लिए रोजाना थोड़ा-थोड़ा प्रयास करना पसंद करते हैं? जीवन में नियमित बढ़ते हैं तो आप जीवन में यह बदलना पसंद करते? यह आप उस एक बदलाव के लिए रोजाना थोड़ा-थोड़ा प्रयास करना अपनी प्रतीक्षा करते हैं? जीवन में अनेकों क्रांतिकारी घटनाओं को देखते हैं तो आप जीवन में यह बदलना पसंद करते हैं?

ये वाली चीजें ही हैं, जिनके लिए हम इंतजार करना चाहते हैं, क्योंकि हम तो फूल को बिना निचोड़ ही उसके रस का अनेक लेने की इच्छा रखते हैं। रथअसल, नरीजों की प्रीतिका करने का धैर्य हमारे भीतर बचा ही नहीं है, इसलिए धीमी गति से चलना हमें उन्तत में बाधक लगता है। हमें इस बात को घोंस़ कर पिला दिया जाता है कि अल्ट्राथिक और लगतार महनत का जब्ता होना परम आवश्यक है। लेकिन इस सारे दबाव का नीचा ज़ालियाट, असहनलाल, क्रोध और आत्मलान के रूप में सामने आता है। ऐसे में महसूस होता है कि हमें प्रयास नाकामी है और हमें अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है।

लेकिन जीवन के प्रति यह नजरिया बेहद डरावाना है। खासतौर पर जब आपकी अंतिम सांस के साथ ही यह ज़ेरोहैट समाप्त होनी होती है। आपके बारे में तो नहीं पाता लेकिन मैं जल्दबाजी में नहीं हूं।

अब मुझे उस समय के बारे सोचना भी अच्छा नहीं लगता, जब मैं एक किताब लिखना चाहता था, वजन कम करना चाहता था और गरीब होने के अहसास को खत्म कर देना

चाहता था। उस समय कोई ऐसा दिन नहीं जाता था, जब मैं निराशा का अनुभव ना करूं। अगर यह निराशा और बेचैनी को नहीं तो जिनेने प्रयास में किए थे, उतने में तो मैं हीरे खासिल सकता था।

संघर्ष से मिली राह
मेरे संघर्ष से नुस्खे जीवन बदल देने वाले हैं अनुभव

दिए। मैंने पाया कि आगे बढ़ने के दो रास्ते हैं। या तो आप एक ही बार में पूरा जीर्ण लगा देना



फिर निरंतर मेहनत करते हुए दूरगामी शानदार नतीजों के लिए काम करें। वेसे अपाके हिसाब से इन वोगों में से कौन-सा रास्ता बेहतर है?

जरा खरोशों और कल्पणे की उस कठिनी के बारे में सोचिए। ये वो किसीसे हैं जो हमें जीवन का गूढ़ ज्ञान बहाव से बदल शब्दों में समझाते हैं और बढ़ते हैं कि आगे बढ़ने का सर्वोत्तम मार्ग जौन-सारा है। हम अब बात का ज़ेरूत से ज्यादा अंदराजा लगा लेते हैं कि एक दिन में हम कितना काम कर सकते हैं। पर, लगातार एक सधी हुई गति के साथ जीवन में हम कितना आगे बढ़ते हैं, इसका सही अनुमान नहीं लगा पाते।

आप कोई किताब के लिए लिख सकते हैं? रोजाना लिखने की आदत बनाकर रखा है ऐसा कर पाना संभव है। -आप एक बदेव खुस्तरत अहसास है। सिर्फ उम्मीद के हसारे बैठकर मैंने जीवन के कई साल बिताए हैं। पर, इससे मूले कुछ हासिल नहीं हुआ। तब मैं अपने मौजूदा हालातों के सामने मजबूर था और बिना कुछ किए अपना समय बदलने की प्रतीक्षा कर रहा था।

tinybuddha.com



लोगों की रुचि मिलन-

मिलन होती है।

- कालिदास (रघुवंश)

मनुष्य की रुचि के समान पृथ्वी पर कोई भी वस्तु मधुर नहीं है।

- राजशेखर, कर्पूरमंजरी

जो जिसे अच्छा लगे, वही उसके लिए भरता है।

- नदनी, सुरुदण

आदमी अपने अधिकारों की तुलना में, अपनी रुचियों के लिए अधिक संघर्ष करेगा।

- नेपोलियन बोनापार्ट, प्रांतिसी समाज

अगर आप हमेशा बह करते हैं, तो आपको रुचिकर है तो कम-से-कम एक इनसान जरूर खुश होगा।

- कैथरीन हेपबन, अमेरिकी अभिनेत्री

कहानी

त्याग का रहस्य



भविष्य मन में नहीं होना चाहिए। केवल वर्तमान क्षण हो, क्षण की वर्तमानता, और तुम संसुट होते हो। कब कहीं जीवन की ज़रूरत नहीं है। जहां तुम हो उसी बिंदु से, उसी क्षण ही, तुम सारे में गिरा जाओगे। तुम ब्रावोंड के साथ ही जाओगे।

सच वह है कि धीरज, संतोष, संन्धनीलता ये सब गुण हमारे अंदर होते हों हैं, पर इन्हें जाना पड़ता है। हमें खुद को अहसास दिलाना पड़ता है कि इन गुणों के बिना जिंदगी में समस्याएं, शारीरिक-मानसिक नुकसान हो सकता है। कठिन समय में शांत रहना और धैर्य की ताकत है।

धैर्य की ताकत

मोटिवेशनल गुरु और चर्चित लेखक एम.जे. रायन अपनी किताब 'द पॉवर ऑफ पेशेंस' में लिखते हैं: 'जिसमें धैर्य होता है, वही अनुशूलित रहता है।'

उन्होंने पृष्ठा 10 पर लिखा है कि हमें किसी भी बात के लिए एक क्षण रुकना न पड़े। हमें नतीजे तुरंत चाहिए। हम यह जानना ही नहीं चाहते कि इसमें समय लग सकता है वह सही समय पर ही काम होगा। प्रतिकी के अपनी लाल है, इस लाल से आप छेंडाइ रहते होंगे।

कृष्ण ने हासते हुए कहा, 'प्रभु, पवन का सामर्थ्य नहीं कि वह मुझे गिरा सके।'

नारदजी को लगा कि सेमल घंटें में ऐसा कह रहा है। वह पवन के पास गए और कहा, 'अमृत वृक्ष घंटें में हैं, आपक

अपना खेल

टीम इंडिया की दूसरी पारी 255 रन पर सिमटी, शुभमान के अलावा बाकी बल्लेबाज फेल, इंग्लैंड को रिकॉर्ड 399 रन का लक्ष्य

गिल का शतकीय प्रहार 03



विशाखापत्तनम, एजेंसी। पहली पारी में शशस्त्री तो दूसरी में शुभमान गिल सैकड़ा जड़कर टीम इंडिया के खेलदार बने। इस शतक से गिल ने आलोचकों को जबाब भी दे दिया। गिल 11 माह बाद टेस्ट में तिरहे अंक तक पहुंचे। उनकी 147 गेंद में 11 चौकों और दो छक्कों की 104 रन की पारी से भारत ने दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन दूसरी पारी में 255 रन बनाया। इससे इंग्लैंड को जीत के लिए रिकॉर्ड 399 रन का लक्ष्य मिला है।

अभी 332 रन चाहिए : दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड ने एक विकेट पर 67 रन बना लिए थे। अंग्रेजों को जीत के लिए 332 रन तो भारत को नींव विकेट चाहिए। अभी दो दिन का खेल बाकी है। टाउप्स के समय जैक क्राउडे 29 और नाइटवाचर्न रेहन अहमद नींव रन पर ब्रीज पर थे। अश्विन ने बेन डेकेट के पीछे भरत को हाथों विकेट खेल बाकी है।

क्राउडे और डेकेट ने पहले विकेट पर 50 रन जोड़े। इंग्लैंड को सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाने के लिए रिकॉर्ड लक्ष्य मिला है।

44 रन पर गंवा दिए छह विकेट : पहले टेस्ट की तरह भारत के पास फिर बल्लेबाजी से इंग्लैंड को मैच से बाहर करने का मौका था। पर गिल को छोड़ अन्य बल्लेबाज टिक नहीं पाए। टीम ने अंतिम छह विकेट 44 रन पर गंवाए। टीम एक समय चार विकेट पर 211 रन बनाकर अच्छी स्थिति में थी पर निचले क्रम में एक बार फिर निराश किया।



कोई टीम 300 का लक्ष्य हासिल नहीं पर पाई

भारतीय सरजमीं पर कोई भी टीम 300 का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पाई है। अब इंग्लैंड 399 रन का लक्ष्य कर तेरे हैं तो यह रिकॉर्ड होगा। इससे पहले 16 साल पहले (2008, वेनेझेला) टीम इंडिया ने अंग्रेजों के खिलाफ ही 387 स्कोर कर विकेट खोकर हासिल किया था जो भारत में चौथी पारी में हासिल किया गया सबसे बड़ा लक्ष्य है। वहीं वेस्टइंडीज ने नवंबर 1987 में दिल्ली में 276 रन का लक्ष्य पांच विकेट पर हासिल किया था। वहीं, वेस्टइंडीज ने दो साल पहले बांगलादेश में 395 रन बनाकर एशिया में सबसे बड़े लक्ष्य हासिल किया था।

टॉम हार्टले का कमाल

चाय के बाद रेहन (88/3) ने पहले ही ओवर में भरत (6) को परेलियन भेजा जिहाने मिड अंन पर बेन टोटेस को कैच थमाया। टॉम हार्टले (77/4) के अंगले ओवर में कुलपीप (100) गेंद पर हाया में हल्कार कर देते थे। बुराह (26 गेंद, 00) हार्टले का चौथा शिकार बना। रेहन ने अश्विन (29) का विकेटकापीर बने फोकस के हाथों कैच कराके भारत की पारी का अंत किया।

पाक को पटखनी देकर भारत ने टिकट कटाया

डेविस कप

इस्लामाबाद, एजेंसी। डेविस कप

मुकाबले के दूसरे दिन भी भारत के

खिलाड़ी पाकिस्तान पर भारी पड़े।

मेहमान टीम ने पाक को एल 4-

0 से हराकर 60 साल बाद चिर

प्रतिवादी देश का प्रैदायिक दौरा पूरा

कर देते हुए विश्व युप एक में हिस्सा

सुनिश्चित की। भारतीय टीम अब

सिंचबर में विश्व युप एक में हिस्सा

लेंगी जबकि पाक

लेंगे रहेंगी।

पाक में भी जीते : पहले दिन दोनों एकल मैच जीतने के बाद रविवार को उत्तराखण्ड की जगह उत्तराखण्डी और साकेत की जगह उत्तराखण्डी चाहीं दिया गया। दोनों ने यूज़मिल युर्जाओं और अकील खान को मेजबान जोड़ी को 6-2, 7-6(5) से हराकर मुकाबले में पाकिस्तान पर भारत के दबदब को बरकरार रखा और 3-0 की अजेय बढ़त ले ली।

कारोबारी चर्चा

कंज्यूमर केनेक्ट इनिशिएटिव

सी.एल.डब्ल्यू. ने किया नवीनतम वैग-9

एचसी ट्रिवन लोकोमोटिव का उत्पादन

लोकोमोटिव उत्पादन में नया

अध्याय जोड़ने के प्रयासों में,

सी.एल.डब्ल्यू. ने वैग-9 एचसी

ट्रिवन लोकोमोटिव का उत्पादन से भारतीय

रेलवे के उत्तरां-द्वादशी और समतल

सेक्षन दोनों पर लदी हुई ट्रेनों (5500 मीट्रिक टन) के बेहतर

संचालन में मदद मिलेगी।

एलओजीएस और इन्डिया आईवीएफ लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में हुई संगोष्ठी।

इन्डिया आईवीएफ और एलओजीएस की ओर से लखनऊ में एक दिवसीय सीएमई का आयोजन किया गया। असिस्टेंट इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी से जुड़ी विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों ने विवाद रखे। सीएमई में डॉ. नितिज मुर्दिया ने एआरटी एंड सरेजेसी, डॉ. पिपिंग चन्दा के इम्युनोलॉजी से अपेक्षस इन्डिया आरआईएफ एंड एसीएल और डॉ. सुर्यन धुम्मन के 200 से ज्यादा विक्टिसकों ने भाग लिया।

मुद्रक तथा प्रकाशक गांजीब बैंगोतग द्वारा हिन्दुस्तान मार्डिया वेन्चर्स लिमिटेड (एच एम वी एल) के पक्ष में हिन्दुस्तान मार्डिया वेन्चर्स लिमिटेड प्रेस, भेलाटाड रोड, धेया धनबाद-826004, जारखंड से प्रकाशित एवं हिन्दुस्तान मार्डिया वेन्चर्स लिमिटेड, भेलाटाड रोड, धेया धनबाद-826004 से मुद्रित।

रणजी ट्रॉफी

मणिपुर के खिलाफ

जमशेत्युर, मुख्य संवादादाता। उत्कर्ष सिंह के हरकानीमैला प्रदर्शन व सौरभ

चौथी मैच में निकी पारी को पदार्पण

करने वाली चाहीं खिलाड़ी

की जीत दिया।

उत्कर्ष सिंह के अंगरेजों को

मृत्यु की घोषणा की जाती है।

मणिपुर की जीत दिया गया।

मणिपुर की जीत दिया गया।</

